(c) Steps taken by Government to increase hydro power generation include recognition of the need to increase the hydel thermal ratio to 40 per cent; emphasis on speedy completion of on-going schemes and starting work on new hydro projects; close monitoring of execution of on-going project; emphasis on renovating and modernisation of existing hydel stations and inviting private sector participation in hydro development. At present Hydro projects worth over 15000 MW have been sanctioned and are on-going.

बिहार को विद्युत की पर्याप्त आपूर्ति

1246. **श्री शकर दयाल सिंह :** क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने बिहार में विद्युत की दयनीय स्थिति को ध्यान में रखते हुये राज्य में घरेलू उपभोग और औद्योगिक उपयोग के लिये विद्युत की पर्याप्त आपूर्ति किये जाने की कोई योजना तैयार की है ; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

विद्युत मत्रालय ; राज्य मत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) राज्य/क्षत्र में बिजली के वितरण संबंधी कार्य, राज्य बिजली बोर्डों द्वारा निष्पादित एवं विनियमित किया जा रहा है । यह विद्युत की मांग और उपलब्धता एव राज्य बिजली बोर्ड द्वारा सृजित आधारभूत सुविधाओं पर निर्भर करता है । विभिन्न विद्युत उत्पादन स्टेशनों से विद्युत राज्य ग्रिड को सप्लाई की जाती है और वहां से आगे वितरित की जाती है ।

बिहार में विद्युत की उपलब्धता बढ़ाने के लिये विभिन्न उपाय किये जा रहे हैं, जिसमें विद्यमान विद्युत उत्पादन स्टेशनों से अधिकतम विद्युत उत्पादन, नवीकरण एव आधुनिकीकरण कार्यक्रम का क्रियान्वयन, पारेषण एवं वितरण हानियों में कमी, प्रभावी लोड प्रबध एवं ऊर्जा संबंधी उपाय किया जाना, सरक्षण।पड़ौसी राज्यों।प्रणालियों से सहायता प्रदान किया जाना आदि शामिल है ।

बिद्धली में प्रतिमाह विद्युश कीखपत

1247. **श्री शकर दयाल सिंह :** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) दिल्ली में प्रतिमाह विद्युत खपत की दर क्या है ;

(ख) इसमें औद्योगिक और घरेलू खपत का प्रतिशत क्या है ; और

(ग) दिल्ली में कौन-कौन से क्षेत्रों से विद्युत विद्युत की आपूर्ति की जाती है ?

विद्युत मत्रालय के राज्य मत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख') 1991 92 के दौरान दिल्ली में प्रतिमाह विद्युत की औसत खपत की दर लगभग 781 मिलियन यूनिट थी । औद्योगिक एव घरेलू खपत क्रमशः लगभग 35% और 28% प्रतिशत थी । दिल्ली की विद्युत संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति, केन्द्रीय क्षेत्र के बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र के अलावा आई0पी0 केन्द्र, राजघाट और गैस टर्बाईनों के द्वारा डेसू के विद्युत उत्पादन केन्द्रों से की जाती है । दिल्ली को, उत्तरी क्षेत्र में अवस्थित केन्द्रीय क्षेत्र के विद्युत उत्पादन केन्द्रों यथा सिंगरौली, रिहन्द, बैरास्यूल, सलाल, दादरी, अंता और औरैया आदि से भी विद्युत सप्लाई की जाती है ।

भारत में विद्युत परियोजनाओं के लिए रूसी सहायता

1248. **डा0 हासूपू कालदाते :** क्या **विद्युत** मंत्री 28 अप्रैल, 1992 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न सं० 180 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और

यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में स्थापित की जा रही दस विद्युत परियोजनाओं के लिये पूर्व सोवियत संघ द्वारा सहायता प्रदान की जाने वाली थी;

(ख) यदि हां, तो वे परियोजनायें कौन-कौन सी हैं और उनके लिये कितनी सहायता मिलने वाली थी ; और

(ग) इस सहायता को प्राप्त करने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जा रहे हैं।

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) : (क) और (ख) उन विद्युत परियोजनाओं का नाम जिन के लिये तत्कालीन सोवियत संघ ने वित्तीय सहायता देने का वचन दिया था तथा उनके लिये दी जाने वाली सहायता राशि का ब्यौरा निम्न प्रकार है:-

क्र०सं०	परियोजना का नाम	क्षमता (मे०वा०)	ऋण (मिलियन रूबल में)
1.	विंध्याचल एसटीपीपी चरण-1	1260	303.7
2.	विंध्याचल चरण-1 पारेषण लाइन	--	56.6
3.	कहलगांव एसटीपीपी	840	219.2
4.	टिहरी हाइड्रो पावर काम्पलेक्स	2400	1000.0
5.	विन्ध्याचल एसटीपीपी चरण-2	1000	400.0
6.	विन्ध्याचल चरण-2 पारेषण लाइन	--	220.0
7.	मेथोन टीपीपी	840	70.0
8.	कायमकुलम टीपीपी चरण-1	420	
9.	मंगलौर टीपीपी चरण-1	420	

(ग) क्र०सं० 1 तथा 2 में स्थित परियोजनायें पूरी हो गई हैं। क्र०सं० 3 में स्थित परियोजना पूरी हो चुकी है। भारत की शेष परियोजनाओं के लिये उपलब्ध कराये जा सकने वाले ऋण की मात्रा, नियमों तथा उसके स्वरूप के बारे में रूस के साथ विचार विमर्श किये जा रहे हैं।

Realisation of dues by Badarpur Thermal Power Station

1249. SHRI VIREN J. SHAH: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Badarpur Thermal Power Station of NTPC has not been able to realise its dues from the Northern grid States i.e., Delhi, Rajasthan, Himachal Pradesh, Uttar Pradesh and Haryana;

(b) if so, the amount outstanding against each of the above States as on the 31st March, 1991 and 1992; and

(c) what steps Government have taken to recover the dues from each of them?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF POWER (SHRI KALP NATH RAI): (a) Yes, Sir.